www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर EXPRESS

बुधवार, 29-09-2021 अंक- 362

www.worldkhabarexpress.media

www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

सीएसए में दो दिवसीय मोरिंगा फूड कांक्लेव कार्यक्रम संपन्न

फसलों की किस्मों पर की चर्चा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय मोरिंगा फूड का वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डीआर सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। देश के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने इस कार्यक्रम में व्याख्यान दिए।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद के उपनिदेशक डॉ. निवासा राव ने "भविष्य में भोजन और कुपोषण स्थिरता के लिए चुनौतियां" विषय पर व्याख्यान दिया। फूड कंसलटेंट, मुंबई के भूषण योगडे ने "स्वास्थ्य तत्वों का बाजार में उपभोक्ताओं के लिए महत्व" विषय पर विस्तार से चर्चा की। तकनीकी सत्र के क्रम में डॉ. अंकित सिंह, डॉ. डीपी स्वामी, डॉ. साधना, डॉ. मनोज महावर मुंबई, डॉ. एसके गोयल, डॉ. पंकज आदि ने अपने-अपने व्याख्यानों का प्रस्तुतीकरण किया। इसमें मोरिंगा के महत्व, उत्पादन, किस्में आदि पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के डॉ. राम कुमार सिंह ने मोरिंगा के पौधों का विकास, उत्पादन पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम आयोजक डॉ. सीमा सोनकर ने बताया कि करीब 30 व्याख्यान और 40 से अधिक पोस्टर से सहजन की महत्ता को प्रदर्शित किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉ. वेदरतन ने किया। अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने की। संचालन डॉ. रितु पांडे ने किया। डॉ. एचजी प्रकाश, डॉ. एके सिंह, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. मोहम्मद शमीम सहित छात्र-छात्राएं व संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

फसलों की 35 नई किस्में देश को की समर्पित

कानपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, अटारी, जोन-3 के निदेशक डॉ. अतर सिंह ने बताया कि आईसीएआर की विकसित विशेष गुणों वाली 35 नई फसल किस्मों को भारत की आजादी के 'अमृत महोत्सव' के अंतर्गत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को समर्पित किया। साथ ही रायपुर स्थित राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस अनुसंधान संस्थान के 6 नए भवनों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि जब विज्ञान, सरकार व समाज एक साथ काम करते हैं तो परिणाम बेहतर होते हैं। डॉ. अतर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम में वर्चुअल शामिल हुए प्रधानमंत्री ने कृषि विश्वविद्यालयों को ग्रीन कैंपस एवार्ड वितरित किए। साथ ही उन किसानों से सीधा संवाद किया जो नवोन्मेषी कृषि तकनीकों का उपयोग करते हैं। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र के विभिन्न मंत्रालयों की योजनाएं, देश के हर वर्ग के छोटे तबके को ध्यान में रखते हुए बनाई जाती हैं जिससे उन्हें सीधा लाभ मिल सके। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी, आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. त्रिलोचन महापात्र, सभी संस्थानों के निदेशक, कुलपति, सांसद, अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक व किसान मौजूद रहे।

सी एस ए में दो दिवसीय मोरिंगा फूड कांक्लेव कार्यक्रम संपन्न

लोकायुक्त न्यूज़

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय मोरिंगा फूड का वर्चुअल कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। देश के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों द्वारा इस कार्यक्रम में व्याख्यान दिए गए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद के उपनिदेशक डॉ निवासा राव ने भविष्य में भोजन और कुपोषण स्थिरता के लिए चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया। फूड कंसलटेंट मुंबई के भूषण योगडे ने स्वास्थ्य तत्वों का बाजार में उपभोक्ताओं के लिए महत्व विषय पर विस्तार से चर्चा की। तकनीकी सत्र के क्रम में डॉक्टर अंकित सिंह, डॉक्टर डीपी स्वामी, डॉ साधना, डॉ मनोज महावर मुंबई,डॉक्टर एस के गोयल, डॉ पंकज आदि ने अपने अपने व्याख्यानों का प्रस्तुतीकरण किया। इसमें मोरिंगा के महत्व, उत्पादन, किस्मों आदि पर विशेष चर्चा की गई। कार्यक्रम में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय बनारस के डॉक्टर राम कुमार सिंह ने मोरिंगा के पौधों का विकास,उत्पादन पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम आयोजक डॉ सीमा सोनकर ने बताया कि इस कार्यक्रम में लगभग 30 व्याख्यान एवं 40 से अधिक पोस्टर द्वारा सहजन की महत्ता को प्रदर्शित किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉक्टर वेदरतन ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉक्टर धर्मराज सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर रितु पांडे ने किया। इस अवसर पर डॉ एच जी प्रकाश,डॉ एके सिंह, डॉ विनीता सिंह, डॉ मनोज मिश्र, डॉ मोहम्मद शमीम सहित छात्र–छात्राएं एवं संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 | अंक:264 | देहरादून, बुधवार , 29 सितंबर, 2021 | पृष्ठ:08

15 दिवसीय विद्यार्थी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ समापन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आईसीएआर नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित पर योजना पोषण फसलों पर उन्नत कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के अंतर्गत विद्यार्थी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम विषय पर आयोजित 15 दिवसीय राष्ट्रीय आभासी प्रशिक्षण का आज समापन हुआ इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में एमएससी, एमटेक एवं पीएचडी देशभर के छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया विभिन्न प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा कुल 15 व्याख्यान दिए गए जिसमें छात्र–छात्राओं को काफी लाभ हुआ है प्रतिभागियों का मूल्यांकन करने के लिए 40 प्रश्नों से युक्त बहुविकल्पीय परीक्षा कराई गई सभी प्रतिभागियों ने ई प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए पात्रता सीमा से अधिक अंक प्राप्त किए आईआईईएसटी, शिवपुर, कोलकाता के एमटेक छात्र श्री यशवंत सिंह सर्वाधिक अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान पर रहे प्रशिक्षण समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ प्रभात कुमार राष्ट्रीय समन्वयक कास्ट योजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली ने छात्रों में आत्मविश्वास, कौशल और रचनात्मक विकसित करने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण के आयोजन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिससे देश को प्रशिक्षित मानव संसाधन उपलब्ध हो सके उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण का आयोजन समय की आवश्यकता हैताकि छात्रों में एक उद्यमी के रूप में चुनौतियों का सामना करने के लिए नेतृत्व गुणों का विकास किया जा सके कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आयोजक दल की प्रशंसा की एवं प्रशिक्षुओं को बधाई दी अपने जीवन के अनुभवों को साझा किया और विद्यार्थियों को समग्र विकास की वकालत की प्रेरक और प्रशिक्षक शेफाली राज एमडी पीएसआईटी कानपुर ने शब्दावली निर्माण, सार्वजनिक बोलने की कला, सोशल मीडिया, नेतृत्व और टीम निर्माण और सामाजिक उद्यमिता पर बल दिया। सुश्री गीतांजलि अरोड़ा ने मौखिक और गैर मौखिक संचार और साक्षात्कार का सामना कैसे करें जैसे विषयों पर चर्चा की मिस एश्वर्य ऑनलाइन ट्रेनर पेरिस फ्रांस ने विरोधाभास प्रबंधन विषय पर व्याख्यान दिया और बताया कि विरोधाभास का मतलब झगड़ा नहीं बस यह लोगों के बीच असहमति या विचार प्रक्रिया का थोड़ा अंतर है डॉ पूजा जैन विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग असम ने संचार कौशल पर व्याख्यान दिया और विभिन्न प्रकार के संचार कौशल के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया सुश्री रेशम जैन अंग्रेजी और सॉफ्ट स्किल ट्रेनर आसवी इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी पुणे ने मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर अपनी बात प्रस्तुत की। प्रशिक्षण के कोर्स डायरेक्टर डॉ सी एल मौर्या ने बताया कि प्रतिभागियों ने अपने संदेहों को स्पष्ट करने के लिए विद्वान वक्ताओं के साथ बातचीत की प्रेजेंटेशन ऑफ इंटरेक्शन सेशन लगभग 70:30 था। कोर्स डायरेक्टर ने बताया कि मुझे विश्वास है कि प्रतिभागियों को सीखने में बहुत इंटरेस्ट आया डॉ मौर्या ने प्रशिक्षण आख्या प्रस्तुत की स्वागत भाषण निदेशक शोध डॉ एच जी प्रकाश ने एवं धन्यवाद प्रस्ताव डॉ राजीव ने प्रस्तुत किया कार्यक्रम का संचालन सम्मिलित रूप से डॉक्टर मौर्य एवं डॉ श्वेता तथा डॉ राजीव ने किया।

बृहस्पतिवार • 30.09.2021

अमर उजाला 05

मोरिंगा के महत्व, उत्पादन पर हुई चर्चा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में बुधवार को खाद्य एवं पोषण विभाग की ओर से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय मोरिंगा (सहजन) फूड कॉन्क्लेव का समापन हुआ। मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. डीआर सिंह रहे। राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद के उप निदेशक डॉ. निवासा राव ने भविष्य में भोजन और कुपोषण की स्थिरता के लिए चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. अंकित सिंह, डॉ. डीपी स्वामी, डॉ. साधना, डॉ. मनोज महावर, डॉ. एसके गोयल आदि ने मोरिंगा के महत्व, उत्पादन, किस्मों आदि पर चर्चा की। पोस्टरों से सहजन की महत्ता दर्शाई गई। इस मौके पर डॉ. सीमा सोनकर, डॉ. वेदरतन, डॉ. धर्मराज सिंह, डॉ. रितु पांडेय, डॉ. एचजी प्रकाश आदि मौजूद रहे। (संवाद)

छात्रों में हो नेतृत्व और टीम निर्माण की भावना

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आईसीएआर, नई दिल्ली की ओर से ऑनलाइन आयोजित 15 दिवसीय विद्यार्थी विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। देश भर के प्रतिभागियों के मूल्यांकन के लिए 40 प्रश्नों की बहुविकल्पीय परीक्षा कराई गई। आईआईईएसटी, कोलकाता के एमटेक छात्र यशवंत सिंह सर्वाधिक अंक प्राप्त किए। मुख्य अतिथि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की कास्ट परियोजना के राष्ट्रीय समन्वयक डॉ. प्रभात कुमार रहे। पीएसआईटी की एमडी शेफाली राज ने कहा कि छात्र बोलने की कला में पारंगत हों। उनमें नेतृत्व और टीम निर्माण की भावना होनी चाहिए। इस मौके पर गीतांजलि अरोड़ा, डॉ. पूजा जैन, रेशम जैन, डॉ. सीएल मौर्या आदि मौजूद रहे। (संवाद)

जन एक्सप्रेस
/janexpresslive
लखनऊ, गुरुवार, 30 सितम्बर, 2021, वर्ष : 12, अंक : 342, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹ 3.00/-

'भविष्य में भोजन और कुपोषण स्थिरता के लिए चुनौतियां' विषय पर व्याख्यान

जन एक्सप्रेस संवाददाता

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय मोरिंगा फूड के वर्चुअल कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह बतौर मुख्य अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रीय पोषण संस्थान हैदराबाद के उपनिदेशक डॉ. निवासा राव ने भविष्य में भोजन और कुपोषण स्थिरता के लिए चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया। फूड कंसलटेंट मुंबई के भूषण योगडे ने स्वास्थ्य तत्वों का बाजार में उपभोक्ताओं के लिए महत्व विषय पर जानकारी दी।वही तकनीकी सत्र के क्रम में वैज्ञानिकों द्वारा मोरिंगा के महत्व, उत्पादन, किस्मों आदि पर चर्चा की गई तथा व्याख्यानों का प्रस्तुतीकरण किया गया। सभी अतिथियों का स्वागत अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉ. वेदरतन ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धर्मराज सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रितु पांडे ने किया। इस अवसर पर डॉ. एच. जी. प्रकाश, डॉ. ए. के. सिंह, डॉ. विनीता सिंह, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. मोहम्मद शमीम सहित छात्र-छात्राएं एवं संकाय सदस्य मौजूद रहे।

कानपुर, 30 सितंबर, 2021 दैनिक जागरण 9

कानक्लेव में सहजन की उपयोगिता बताई

जासं, कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में मोरिंगा फूड कानक्लेव का आयोजन किया गया, जिसमें सहजन के लाभ और उसकी उपयोगिता की जानकारी दी गई। कुलपति डा. डीआर सिंह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। राष्ट्रीय पोषण संस्थान, हैदराबाद के उपनिदेशक डा. निवासा राव ने भविष्य में भोजन और कुपोषण स्थिरता के लिए चुनौतियां विषय पर व्याख्यान दिया। डा. अंकित सिंह, डा. डीपी स्वामी, डा. साधना, डा. मनोज महावर, डा. एस के गोयल, डा. पंकज ने सहजन के महत्व, उत्पादन, प्रजातियों की जानकारी दी।

एक नजर में

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सिखाया इंटरव्यू देने का तरीका

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम के आखिरी दिन छात्रों को व्यक्तित्व विकास, समूह चर्चा और इंटरव्यू देने का तरीका सिखाया। एमएससी, एमटेक एवं पीएचडी के छात्रों ने प्रतिभाग किया। पीएसआइटी की एमडी शेफाली राज ने शब्दावली निर्माण, बोलने की कला, नेतृत्व और सामाजिक उद्यमिता की जानकारी दी। कोर्स डायरेक्टर डा. सीएल मौर्या, डा. श्वेता, डा. राजीव, डा. विनय आदि शामिल रहे। जासं

दैनिक जागरण
कानपुर, 30 सितंबर, 2021

सफाई व कमाई के फार्मूले पर बनेंगे माडल गांव

- प्रदेश के 26 गांवों की रूपरेखा में परिवर्तन और विकास की तैयारी
- सफाई, दवाई, कमाई समेत 25 बिंदुओं पर होगा कार्य

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) ने प्रदेश के 26 गांवों की रूपरेखा में परिवर्तन और विकास की तैयारी की है। यहां के विशेषज्ञों ने निजी संस्था और आइएएस अधिकारी डा. हीरालाल के निर्देशन में माडल गांव की कार्ययोजना बनाई है। इसे कृषि विज्ञान केंद्रों के सहयोग से लागू किया जा रहा है। सफाई, दवाई, कमाई, बिजली, पानी, संचार तंत्र, जैविक उत्पादक समेत 25 बिंदुओं पर कार्य होगा। सीएसए से संबद्ध 13 कृषि विकास केंद्र दो-दो गांव गोद लेकर उन्हें माडल बना रहे है। इसमें कानपुर, कानपुर देहात, कन्नौज, अलीगढ़, इटावा समेत अन्य जिले शामिल हैं। समन्वयक डा. खलील खान ने बताया कि विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श के बाद बिंदु तैयार किए गए हैं। माडल गांवों की रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी।